शनिवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
05 अप्रैल 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 67
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

वक्फ की जमीनों की होगी जांच

अवैध कब्जे हटाये जाएंगे, वक्फ बोर्ड व माफिया में हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। संसद में पास हुए वक्फ संशोधन बिल 2025 के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऐलान किया है कि राज्य में सभी वक्फ की संपत्तियों और जमीनों की जांच कराई जाएगी तथा अवैध रूप से कब्जा कर वक्फ में समाहित की गई जमीनों को कब्जा मुक्त कराया जाएगा तथा उन जमीनों को जनहित कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि नए वक्फ बिल से वक्फ के काम में पारदर्शिता आएगी जो न्याय संगत है। उनका साफ कहना है कि राज्य बनने के बाद वक्फ की संपत्तियों और जमीनों में जो दो गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है वह हैरान करने वाली है। हजारों की संख्या में संपत्तियों बढ़ी है। राज्य बनने से पहले राज्य में वक्फ की 2078 संपत्तियां थी जो अब 5183 हो चुकी है।

उनका कहना है कि भूमाफिया ने अगर सरकार अथवा निजी जमीनों पर कब्जा किया तथा देव स्थान की जमीन कब्जाई है तो उसे सरकार कब्जा मुक्त कराकर सरकार में निहित करेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भू माफिया द्वारा सरकारी जमीनों पर कब्जा कर उसे वक्फ में शामिल किए जाने के भी कई मामले सामने आए हैं और यह जमीने अब न भू माफिया की रही है और न सरकार की। वक्फ की जमीन पर अगर कोई व्यक्ति गैर कानूनी ढंग से काबिज है तो उससे भी जमीन वापस ली जाएगी।

मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद वक्फ बोर्ड और भू माफिया में हड़कंप मचा हुआ है। ऐसे कुछ मामले नैनीताल और हरिद्वार के रुड़की क्षेत्र में भी सामने आए है। मुख्यमंत्री ने जांच की जो घोषणा की उसे पर अमल के बाद ही पता चल सकेगा कि वक्फ बोर्ड या फिर माफिया से कितनी जमीनों को कब्जा मुक्त कराया जाता है अभी इसकी कुछ निश्चित जानकारी सामने नहीं आई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अलगाववाद की आग

आजादी के अमृत काल में आज अगर देश में अलगाववाद की जो आग सुलग रही है वह स्थिति कोई एक दिन में पैदा नहीं हुई है। वक्फ संशोधन बिल 2025 के संसद के पारित होने के बाद लगभग एक दर्जन राज्यों में प्रदर्शनों का होना इसकी एक बानगी भर है। देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर गौर करने के लिए आजादी मिलने से लेकर अब तक के इतिहास पर नजर डालना बहुत जरूरी है। बंटवारे के बाद जब भारतीय संविधान की रचना की जा रही थी तब सब कुछ इतना अच्छा था और देश के किसी भी नेता के मन में कोई स्वार्थ की भावना नहीं थी। समाज के आम आदमी से लेकर महात्मा गांधी पंडित नेहरू और सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा डा. भीमराव अंबेडकर तक सभी के दिलों दिमाग में सिर्फ हिंदुस्तान था इसके सिवाय और कुछ भी नहीं था। धर्म, आस्था व जातिवाद तथा क्षेत्र जैसी बातें मुद्दे नहीं थे। सभी लोग इमानदारी से राष्ट्र और समाज के बेहतरीन होने के लिए काम करना चाहते थे अगर ऐसा नहीं होता तो देश के अल्पसंख्यक व दलित-पिछड़े तथा कमजोर तबके के लोगों द्वारा अपने संरक्षण और रियायतों को न लिए जाने की पैरोकारी न की गई होती और न संविधान निर्माता ने उन्हें बराबरी तक लाने के लिए संविधान में उन्हें रियायते देने में कंजूसी बरती गई होती। आज वर्तमान दौर में जब समाज का हर एक तबका मुफ्त की सुविधाओं और आरक्षण तथा रियायतों के लिए सिर फुटव्वल कर रहा है तो उसके पीछे हमारे स्वार्थी नेताओं की वह राजनीति ही इसका प्रमुख कारण है जो वोट के लिए तमाम संवैधानिक वर्जनाओं और न्यायिक व्यवस्थाओं को तोड़ते आए हैं। बाबा अंबेडकर ने तो संविधान में सिर्फ 10 साल तक आरक्षण व रियायतों की व्यवस्था की थी फिर आज तक भी यह व्यवस्था क्यों जारी है? क्यों आरक्षण को लेकर देश को बड़े जाट आंदोलनों को झेलना पड़ा? आज क्यों संपन्न वर्ग के लोगों को भी मुफ्त की रियायतें और ओबीसी में आरक्षण चाहिए? इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ वोट की राजनीति नहीं है तो और क्या है। अभी बीते दिनों संसद और विधानसभाओं में बैठे अपराधी नेताओ की लिस्ट चर्चाओं में रही। अगर 50 से 56 फीसदी अपराधिक प्रवृत्ति के लोग चुनाव लड़कर और जीतकर संसद और विधानसभा में बैठे हैं तो क्या यह न्यायपालिका की असफलता नहीं है। सरकारों द्वारा आज अगर असंवैधानिक कानून बनाये जा रहे हैं तो इसकी छूट इस देश के संविधान में उन्हें दी है? सच यह है की संविधान ने जो दिया था वह तो सब कुछ अच्छा ही था लेकिन देश के भ्रष्ट और बेईमान नेताओं तथा अधिकारियों ने ही सब कुछ खराब कर दिया है। संविधान जब बनाया गया था तब उसमें सबके साथ न्यायायिक समानता और पारदर्शिता सब कुछ था लेकिन वर्तमान दौर मे राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा के नाम पर सिर्फ खेला हो रहा है। जिसने देश और देश के समाज को ऐसी समस्याओं की भट्टी में झोंक दिया है जहां जाति-धर्म और क्षेत्रवाद के सिवाय कुछ नहीं बचा है मणिपुर इसका ज्वलंत उदाहरण है। अलगाववाद की आग किस-किस का घर जलायेगी? चिंता इस बात की नहीं है। चिंता इस बात की है कि इस आग से देश को कैसे बचाया जा सकता है और देश के रहनुमा आने वाली पीढ़ियों को कैसा देश देकर जाना चाहते हैं।

मेयर ने किया पार्क के द्वार का उद्घाटन

देहरादून (सं)। मेयर सौरभ थपलियाल ने वार्ड 32 बल्लूपुर के इन्द्र विहार मंदिर पार्क के द्वार का उद्घाटन किया। आज यहां वार्ड 32 बल्लूपुर के इन्द्र विहार मंदिर पार्क के द्वार का मेयर सौरभ थपलियाल ने उद्घाटन किया व इस अवसर पर मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि आज नवरात्र के अष्टमी के दिन मेरे को सौभाग्य प्राप्त हुआ की मंदिर व पार्क परिसर के द्वार का उद्घाटन करने का मौका मिला व आगे वार्ड 32 बल्लूपुर व देहरादून में जनता की सिक्योरिटी दृष्टि से कैमरे लगाये जाएँगे। जनहित में कार्य किये जायेगे इस मौके पर समाज सेवक लाल चंद शर्मा व पार्षद कोमल वोहरा द्वारा शिव मंदिर पार्क हेतु ज्ञापन दिया। ज्ञापन में कहा गया कि पार्क परिसर में जनता के लिए ओपन जिम व एक बड़ी फारस लाइट लगवाई जाए जनहित में जिसे मेयर सौरभ थपलियाल ने स्वीकार किया और इसकी मंजूरी तुरंत दे दी। लाल चंद शर्मा ने मेयर सौरभ थपलियाल का शॉल व गढ़वाली टोपी पहना के स्वागत किया। इस अवसर पर पार्षद कोमल वोहरा, दीप वोहरा, पूर्व पार्षद लक्ष्मी रजवार, जितेंद्र नेगी विक्की नायक, अमित अरोड़ा, हरपाल सिंह नेगी, भोपाल चंद रजवार, दिवाकर बागड़ी, महेंद्र शर्मा ,सीमा नागी, वरेन्द्र नेगी, प्रदीप भारद्वाज आदि लोग उपस्थित थे।

पत्रकारों की खेल और समर्पण की भावना अद्भुतः थापर

संवाददाता

देहरादून। अभिनव थापर ने कहा कि क्रिकेट हमें अनुशासन, धैर्य और टीम वर्क का पाठ पढ़ाता है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थि त एक क्लब अंतर क्रिकेट टूर्नामेंट के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में खेले जा रहे मैच के चौथे दिन दून चैंपियन ने 85 रन से मैच जीता। क्रिकेट मैच के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता व प्रदेश प्रवक्ता अभिनव थापर मौजूद थे। अभिनव थापर ने क्रिकेट खेलकर मैच का शुभारंभ किया।

अभिनव थापर ने कहा कि क्रिकेट हमें अनुशासन, धैर्य और टीम वर्क का पाठ पढ़ाता है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जिस तरह एक खिलाड़ी टीम के लिए समर्पित होकर खेलता है, उसी तरह एक पत्रकार समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है। मैं इस टूर्नामेंट के आयोजकों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इतने शानदार आयोजन की पहल की। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि पत्रकारों के बीच भाईचारे को मजबूत करने का अवसर भी है। क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह कण्डारी ने मुख्य अतिथि अभिनव थापर को स्मृतिचिन्ह भेंट किया व सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन क्लब महामंत्री सुरेन्द्र सिंह डसीला ने किया। कामेंट्री वीके डोभाल और राजेश पोल खोल बहुगुणा ने निभाई। अंपायर की भूमिका पंकज, मिक्की और स्कोरर की भूमिका दीपक ने निभाई। इस अवसर पर क्लब कार्यकारिणी के खेल संयोजक अभय सिंह कैन्तुरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, कोषाध्यक्ष अनिल चन्दोला, संयुक्त मंत्री रश्मि खत्री, संप्रेक्षक शिवेश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद असद, संदीप बड़ोला, मनवर सिंह रावत, दीपक बड़थ्वाल, किशोर रावत, रमन जायसवाल, पंकज भट्ट आदि उपस्थित थे। क्रिकेट मैच दून चैंपियन और दून लायंस के बीच हुआ। दून चैंपियन ने टॉस जीता और बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया, दून चैंपियन ने 20 ओवर में 203 रन तीन विकेट के नुकसान पर बनाए, शिवेश शर्मा ने 93 रन और सोवन गुसाई ने 72 रन का योगदान दिया, नागेंद्र नेगी और संदीप बडोला ने एक-एक विकेट लिए, 203 रनों का लक्ष्य या हासिल करने के लिए दून लायंस ने धीमी शुरुआत की।

दून लायंस की टीम 16 ओवर में 117 रन बनाकर ऑल आउट हो गई, नागेंद्र नेगी ने 31 और विकास गुसांई ने 15 रन का योगदान अपनी टीम के लिए दिया। सुनील कुमार और प्रकाश भंडारी ने तीन-तीन विकेट लिए, दून चैंपियन 85 रन से विजयी हुई।

दो महिला नशा तस्कर सहित चार गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त दो महिलाओं सहित चार लोगों को पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 200 नशीले इंजेक्शनों सहित 6.50 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लालकुआं पुलिस व एसओजी टीम ने एक सूचना के आधार पर लालकुआँ क्षेत्र स्थित सुभाष नगर बैरियर पर एक रोडवेज बस को रोक कर यात्रियों की तलाशी ली तो एक यात्री के पास से 200 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद अकरम हुसैन उर्फ मुला पुत्र मोहम्मद इसरार हुसैन निवासी इंदिरा नगर काबुल का बगीचा नूरी मस्जिद

के पीछे वार्ड नंबर 31 थाना बनभूलपुरा जनपद नैनीताल बताया। बताया कि वह बरामद इंजेक्शन रिहान तथा मुस्तफा निवासी बहेड़ी बरेली नामक व्यक्तियों से खरीदकर लाया था।

वहीं दूसरी ओर बीते रोज कोतवाली हल्द्वानी पुलिस व एएसटीएफ टीम ने एक सूचना के आधार पर रामलीला ग्राउण्ड मंगलपड़ाव से 2 महिलाओ सहित 3 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 6.50 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। गिरफ्तार लोगों के नाम मोनिषा पत्नी मौ. इकरार निवासी इन्द्रानगर मौहम्मदी चौक थाना बनभूलपुरा, सरगम गंगवार पत्नी सन्नी गंगवार निवासी वार्ड नं.- 13 राजपुरा थाना हल्द्वानी व सन्नी गंगवार पुत्र केशव प्रसाद गंगवार निवासी वार्ड नं. - 13 राजपुरा थाना हल्द्वानी बताये जा रहे है।

श्री दुर्गा शक्ति मंदिर में सात दिवसीय अनुष्ठान सम्पन्न

संवाददाता

ऋषिकेश। श्री दुर्गा शक्ति मंदिर में सात दिवसीय अनुष्ठान विधिवत सम्पन्न हुआ।

आज यहां श्री दुर्गा शक्ति मंदिर तिलक मार्ग मे मंदिर समिति द्वारा आयोजित देवी माँ का सात दिवसीय अनुष्ठान विधिवत सम्पन्न हो गया। आज आयोजित भगवती जागरण मे मंदिर समिति महामंत्री भजन गायक पंडित ज्योति शर्मा ने माता रानी का यशगान किया। उन्होंने जागरण का महात्म व देवी के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुये कहा कि माँ का वास्तविक रूप एक है माँ के नाम अलग अलग है। भगवती जागरण मे उन्होंने दुर्गा कवच एवं पारम्परिक नवरात्र पाठ को भेटो के माध्यम से प्रस्तुत कर श्रद्धांलुओं को भाव विभोर किया उनके भजनो मात सँग चोला साजे....। अष्टमी का दिन है अच्छा

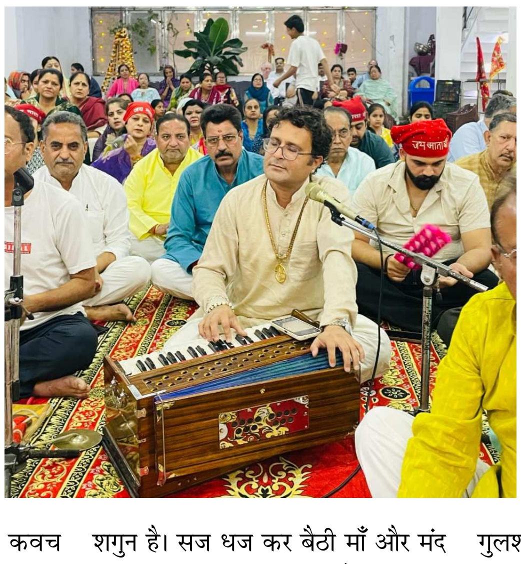

शगुन है। सज धज कर बैठी माँ और मंद मंद मुस्काये... तू माँ हमारी है तू देवी धारी है, झूला झूल रही माँ सखियो सँग, मन लेके आया माता रानी के भवन मे, पहाडो मे कमाल हो गया, आदि भेटो पर भक्त जन झूमते रहे। इस अवसर पर सैकड़ो श्रदालुजन मौजूद रहे। मंदिर दर्शनार्थ आई मातृ शक्ति को मंदिर समिति द्वारा माता की चुनरीयाँ एवं माँ का श्रृंगार भेंट किया गया इस मौके पर माता रानी का स्वर्ण रजत आभूषणो से श्रृंगार किया गया। इस मौके पर मंदिर समिति अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा, मनोहर लाल, भारत भूषण शर्मा, प्रदीप कोहली, केवल कृष्ण लाम्बा, चंद्र बजाज, पंकज जुनेजा, मनोज ढींगरा, हरीश आनंद, संतोष शर्मा, राजेश रावल, विनोद कोठारी, गुलशन गाबा, राजीव साहनी, अनिल विरमानी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 'मनरेगा' एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही

संजय सिंह

ग्रामीण अजीविका के लिये जीवन रेखा कही जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एक बार फिर धन की कमी से जूझ रही है। दो राय नहीं कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी में कमी लाने में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।इस योजना ने जहां एक ओर ग्रामीण उपभोक्ताओं को अपने गांव के पास रोजगार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वहीं अंतर्राज्यीय प्रवास को कम किया है, साथ ही ग्रामीण उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है।

काम की तलाश में शहरों को जाने वाले श्रमिकों की संख्या में कमी के भी आंकड़े सामने आए हैं। खासकर कोरोना संकट में जब ग्रामीण महानगरों से पलायन करके बड़ी संख्या में गांव की तरफ लौटे तो इस योजना ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई है। वार्षिक वित्तीय संकट से जूझ रही मनरेगा योजना के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 में 86,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे।इसके बावजूद 4,315 करोड़ मूल्य का वेतन भुगतान लंबित है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में इस योजना के केवल छह माह में ही 6,146 करोड़ का घाटा हुआ था। इसी तरह वर्ष 2022-23 में 89,400 करोड़ का संशोधित धनराशि का आवंटन मूल बजट से 33 प्रतिशत अधिक था। ग्रामीण श्रमिकों के लिये लायी गई मनरेगा योजना की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिये वार्षिक राशि आवंटन को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। जो केंद्र सरकार की वित्तपोषण की प्राथमिकताओं को लेकर कई प्रासंगिक प्रश्न उठाती है।इस योजना के क्रियान्वयन में वित्तीय तंगी तंत्र की विसंगितयों को ही दर्शाती है।मौजूदा वक्त में प्राथमिकता समय पर पर्याप्त धन आवंटन करने तथा प्रणालीगत विसंगतियों को दूर करना होनी चाहिए। भुगतान के लिये अपनायी गई प्रणाली से श्रमिकों को भुगतान में परेशानी आती रही है।आधार कार्ड आधारित भुगतान की ब्रिज प्रणाली और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली जैसे तकनीकी कारकों ने भुगतान की उलझनों को बढ़ाया है।ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की कनेक्टिविटी की बाधाओं और आधार सत्यापन की आवश्यकताओं के कारण बड़े पैमाने पर जॉब कार्ड हटाए गए हैं।यही वजह है कि अनेक कारणों के चलते वर्ष 2022 में करीब नौ करोड़ श्रमिकों ने इस योजना तक अपनी पहुंच खो दी है।हालांकि, इस प्रणाली को पारदर्शिता बढ़ाने के उपायों के रूप में प्रचारित किया गया,लेकिन ये कदम लाखों श्रमिकों के लिये आजीविका के मार्ग में बाधा बन गए।उल्लेखनीय है कि मनरेगा को ग्रामीण परिवारों के लिये आजीविका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एक मांग संचालित योजना के रूप में तैयार किया गया था। मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी के संकट को ही उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती काम की मांग और शहरी क्षेत्रों में नौकरियों की कमी के संकेत लगातार मिलते रहे हैं।निस्संदेह, गांवों में गरीबी उन्मूलन में मनरेगा के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता।आसन्न बजट में इस योजना से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास की जरूरत है।सरकार को मनरेगा के लिये एक व्यावहारिक बजट बनाना चाहिए। साथ ही योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिये प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।निर्विवाद रूप से मनरेगा में मांग के अनुपात में धन का आवंटन लगातार कम हो रहा है। यही वजह है कि फंड की कमी के चलते वर्ष के मध्य में अनुमानित संकट पैदा हो रहा है।जो नीति नियंताओं के इसके क्रियान्वयन के संरचनात्मक अंतर को दर्शाता है। दरअसल,इस समय पहली आवश्यकता नीतिगत विसंगति को दूर करना होनी चाहिए।

प्रभास की स्पिरिट को लेकर आया नया अपडेट!

पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिनमें से फिल्म स्पिरिट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसे खुद फिल्म के निर्देशक ने शेयर किया है। रिपोर्ट के अनुसार, आज, उगादि पर्व के खास मौके पर, संदीप रेड्डी वांगा ने एक नया अपडेट दिया, जिससे प्रभास के प्रशंसक बेहद खुश हैं। संदीप ने बताया कि वह और उनकी टीम हाल ही में मैक्सिको गए थे, जहां उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर खास जगह देखी हैं। उन्होंने यह बताया कि फिल्म का एक बड़ा हिस्सा मैक्सिको में ही शूट किया जाएगा, जिससे फिल्म में अंतरराष्ट्रीय तडक़ा नजर आएगा। टीम जल्द ही मैक्सिको जाकर लोकेशन फाइनल कर लेगी, ताकि आगे की शूटिंग शुरू हो सके। संदीप रेड्डी वांगा, भूषण कुमार और प्रणय रेड्डी वांगा इस फिल्म मिलकर बना रहे हैं। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म की शूटिंग की जानकारी से प्रभास के फैंस बेहद खुश हैं। प्रभास के प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। फिल्म को भद्रकाली पिक्चर्स और टी-सीरीज मिलकर बना रहे हैं। संगीत हर्षवर्धन रामेश्वर तैयार कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 या उसके बाद कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास द राजा साब में नजर आएंगे। मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है द राजा साब। फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार और संजय दत्त के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जनवरी 2024 में की गई थी।

गर्मियों में होती है पेट की समस्या, तो करें पुदीने का सेवन

पुदीना गर्मी में सबसे अधिक लाभदायक माना जाता है और इसका प्रयोग स्वाद और औषधीय गुणों के लिए कभी भी कर सकते हैं, हालाँकि अपनी ठंडक देने के गुण के कारण खास तौर से गर्मियों में यह बेहद फायदेमंद होता है। जी हाँ, गर्मी के दिनों में इसका सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है और यह लाभदायक भी माना जाता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं गर्मी के दिनों में पुदीना खाने के फायदे के बारे में।

* पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। जी हाँ और इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिला देता है।

* दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों जलन की शिकायत रहती है। इसके लिए उनको फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके।

* सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के रस के साथ मिलाकर पीने से पेट में होने वाली जलन दूर हो जाती है और ठंडक मिलती है। इसके अलावा गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होता है।

* अगर आपको अक्सर टॉंसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करें।

* गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। जी हाँ, इसके लिए पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें और इसका सेवन करें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है।

* पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। इसके अलावा अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं।

* पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। जी हाँ और घाव भरने के लिए भी यह बेहतरीन है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।

* पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। जी हाँ और मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

अपने पालतू कुत्ते को साफ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बिल्लियों जैसे पालतू जानवरों खुद को संवार लेते हैं, लेकिन जब बात कुत्तों की आती है तो उनके लिए खुद को संवारना मुश्किल होता है। हालांकि, कुत्ते खुद को साफ रखने के लिए कई तरह की कोशिश करते हैं, लेकिन उसमें पूरी तरह से सफल नहीं हो पाते। अगर आपने कोई कुत्ता पाल रखा है तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ग्रूमिंग टिप्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप उसे साफ और स्वस्थ बनाए रख सकते हैं।

कुत्ते को रोजाना नहलाने से बचें

अपने कुत्ते को नहलाने के लिए सबसे पहले एक मग गुनगुना पानी अपने कुत्ते पर डालकर उस पर हल्के हाथों से माइल्ड शैंपू लगाएं, फिर उसे सावधानीपूर्वक गुनगुने पानी से नहालकर तौलिये से पोंछे। किसी भी कुत्ते को नहलाने की आवृत्ति उसकी नस्ल पर निर्भर करती है, लेकिन अधिकांश कुत्तों को महीने में एक-दो बार नहलाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर अपने कुत्ते के फर को अच्छी तरह से ब्रश करें ताकि उनमें पिस्सू जैसे कीड़े न हो।

दांतों के स्वास्थ्य पर दें ध्यान

इंसानों की तरह ही कुत्तों के मुंह का स्वच्छ होना जरूरी है, इसलिए अपने कुत्ते के दांतों को नियमित रूप से ब्रश करें। दरअसल, बैक्टीरिया उनके दांतों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने का कारण बन सकते हैं, जिससे उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। द अमेरिकन सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स के मुताबिक, सप्ताह में दो-तीन बार कुत्तों को टूथब्रश कराने की सलाह देती है।

समय-समय पर करें ट्रिमिंग

जब बात ट्रिमिंग की आती है तो इसमें आपके कुत्ते के फर और नाखून दोनों शामिल होते हैं। हालांकि, ट्रिम करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें क्योंकि उस दौरान आप एक तेज उपकरण का इस्तेमाल कर रहे होते हैं और आपका कुत्ता आपकी पकड़ से बाहर निकलने की कोशिश कर सकता है, जिसके कारण उसे या फिर आपको चोट लगने का खतरा हो सकता है। इसलिए धीरज और सावधानी से यह कार्य करें या फिर उसे डॉग सैलून लेकर जाएं।

हैवी मेकअप की जगह ट्राई करें ये टिप्स

त्वचा की देखभाल करन के लिए ब्यूटी रिजाइम को बदलना पड़ता है। उसी तरह मेकअप टिप्स को भी अपग्रेड करने की जरूरत होती है। इस मौसम में हैवी मेकअप लगाने से त्वचा सांस नहीं ले पाती है जिसकी वजह से मुंहासे और पिंपल्स की समस्या हो जाती है। गर्मी में पसीने की वजह से मेकअप खराब होने लगता है। इससे बचने के लिए आप लाइट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। आप हैवी मेकअप की जगह लाइट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। आइए जानते हैं कि गर्मियों में किस तरह से चेहरे को फ्रेश और ग्लोइंग रख सकती है।

गर्मियों में हैवी मेकअप लगाने की बजाय आप लाइट मेकअप लगाएं। आप रेगुलर फाउंडेशन की बजाय बीबी क्रीम लगाएं जो हर स्किन टाइप के लिए बिल्कुल सही ऑप्शन है। बीबी क्रीम लाइटवेट होता है जो आपके लुक को नेचुरल फिनिश देता है। इस लगाने से आपका चेहरा फ्रेश नजर आता है।

गर्मियों में जेल आईलाइनर लगाना अच्छा ऑप्शन है। ये लंबे समय तक आंखों पर टिका रहता है। अगर आप मस्कारा लगाना चाहती हैं तो वॉटरप्रूफ लगाएं ये लंबे समय तक टिकता है और मेकअप को खराब होने से बचाता है।

गर्मियों के मौसम में मेट लिपस्टिक सुपर स्टनिंग लुक देता है जो लंबे समय तक टिका रहता है। मेट लिपस्टिक होंठों को मुलायम रखता है और बेहद हल्का होता है। आप बोल्ड की जगह न्यूट्रल कलर ट्राई कर सकती हैं। ये आपके मेकअप को लाइट लुक देता है।

गर्मियों में सनस्क्रीन लगाएं बिना बिल्कुल बाहर न निकलें। ये त्वचा को सूर्य की किरणों से बचाने का काम करता है। इसके अलावा आप इसका इस्तेमाल बेस के रूप में कर सकती है।

ब्लश एक मेजिक की तरह काम करता है

आपके मेकअप में ब्लश चार चांद लगाने का काम करता है। कई बार हम मेकअप नहीं लगाना चाहते हैं। ऐसे में आप हल्का सा ब्लश आपके चेहरे की रंगत को बढ़ाने का काम करता है। गर्मियों में लाइट पिंक या पीच कलर का पैलेट लगाना चाहिए। ये आपको नेचुरल लुक देगा।

महिलाओं को लुभा रही ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी, बनाती है लुक को और भी खास

इस ट्रेंडी जमाने में हर कोई आकर्षक दिखना चाहता है लिहाजा अपनी पर्सनालिटी को निखारने के लिए सलेक्शन भी कुछ खास होना चाहिए। बात ट्रेडिशनल वियर की हो या फिर ऑफिस वियर अथवा वेस्टर्न आउटफिट की ज्वेलरी भी कुछ हटकर होनी चाहिए। यही वजह है कि अब डिमांड में ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी है। बाजार में जाते ही इस पर से निगाहें हटती ही नहीं। वह कानों के झुमके हों या गले का हार अथवा ब्रेसलेट उस एंटीक सिल्वर के ही नजर आएंगे। इसके साथ ही नोज पिन भी ट्रेंड में है जो आपके लुक को और भी खास बना देती है। इस ज्वेलरी का क्रेज जितना ज्यादा है उतनी ही ये किफायती भी है। यही कारण है कि ये ज्वेलरी ट्रेंड में रहने के साथ-साथ गर्ल्स और महिलाओं को काफी लुभा रही है।

ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी का लुक हालांकि ट्रेडिशनल ज्वैलरी से मिलता है लेकिन यह नए जमाने की पसंद है। लड़कियों में इसका क्रेज लगातार बढ़ रहा है। ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी को सिल्वर में मैटल मिलाकर स्टर्लिंग ज्वेलरी से बनाया जाता है। यह ज्वैलरी बोल्ड शाइन लुक में होती हैं जो न तो ज्यादा चमकदार होती हैं और न ही ज्यादा फीकी लगती है। बता दें कि ऑक्सिडाइज्ड ज्वैलरी के बड़े पेन्डेंट वाले नेकपीसए नोज पिन और हावी झुमके इन दिनों आम लड़कियों के साथ साथ बॉलीवुड एक्ट्रेसेज में काफी लोकप्रिय बनते जा रहे है।

गोल्ड और सिल्वर की बात करें तो अकसर गर्ल्स और महिलाएं इन्हें वेस्टर्न ड्रेस के साथ कैरी करने में हिचकिचाती है। गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी को सिर्फ ट्रेडिशनल के साथ ही पहना जा सकता है। लेकिन ऑक्सिडाइज्ड जूलरी के साथ आपको ये सब सोचने की जरूरत नहीं है। क्योंकि इन्हें वेस्टर्न और ट्रेडिशनल दोनों आउटफिट्स के साथ पहना जा सकता है। ये जूलरी आपको किसी भी ड्रेस के साथ पहनने पर ग्लैमरस लुक देती है। साथ ही डार्क और चमकते रंगों के स्टोन के साथ बने डिजाइन और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगते है। जो आपको एक अलग और अट्रैक्टिव लुक दे सकती है।

ऑक्सीडाइज्ड जूलरी के आगे गोल्ड और सिल्वर की चमक फीकी पड़ती जा रहे हैए अक्सर लेडीज को को वहीँ चीजे पसंद आती है जोए दिखने में यूनिक हो। यही कारण है कि महिलाओं के साथ-साथ लड़कियों की लिस्ट में भी ऑक्सीडाइजड जूलरी उनकी पहली पसंद बन चुकी है। इन जूलरी में स्टोन वर्कए बारीक नक्काशी में लाखों डिजाइन आजकल लेडीज की पसंद बने हुए है।

कभी ऐसे न करें विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल वरना खराब हो जाएगा चेहरा

हर महिला, हर लड़की की ख्वाहिश होती है कि उसकी स्किन ग्लोइंग दिखे और वह लंबे समय तक जवान दिखती रहे। जी हाँ और इसके लिए अधिकतर महिलाएं स्किन केयर रूटीन फॉलो करती हैं। कई लडकियां और महिलाएं बाजार में मिलने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें काफी हद तक केमिकल्स से बनाया जाता है। इनकी तरफ से बेहतर निखार और शाइनी स्किन के लिए दावा किया जाता है, हालाँकि वह सब कुछ समय के लिए ही होता है। इस लिस्ट में विटामिन ई कैप्सूल भी शामिल है जिसे लोग लगाते हैं लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं इसे कैसे भूलकर भी इस्तेमाल नहीं करना है।

कई लोग विटामिन ई कैप्सूल को सीधे चेहरे पर लगाने की गलती कर देते हैं। हालाँकि ऑयली स्किन वालों को ये तरीका बिल्कुल नहीं अपनाना चाहिए। जी दरअसल स्किन स्पेशलिस्ट के मुताबिक ऐसा करने से स्किन पर पिंपल्स निकल सकते हैं। आप इसे स्किन टाइप के हिसाब से दूसरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मिलाकर लगा सकते हैं।

विटामिन ई कैप्सूल को कई चीजों के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है, हालाँकि एलोवेरा जेल और इससे बेस्ट रिजल्ट पाए जा सकते हैं। इसके लिए आप इन दोनों इंग्रेडिएंट्स को लगाएं, लेकिन इसे ज्यादा देर तक स्किन पर लगाए न रखें। इससे स्किन पर कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जिसमें ड्राईनेस का होना आम बात है।

कई लोग फेस पैक के जरिए ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इसमें विटामिन ई कैप्सूल जरूरत से ज्यादा मिला देते हैं। हालाँकि एक्सपर्ट्स के मुताबिक एक बार के फेस पैक में एक कैप्सूल काफी होती है। लेकिन हां अगर आप बालों में इसका यूज कर रही हैं, तो दो कैप्सूल काम में ले सकती हैं।

गर्म करने की भूल- स्किन या हेयर केयर में किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट अच्छा नहीं माना जाता है। हालाँकि विटामिन ई कैप्सूल को गर्म करके लगाने से स्किन पर पिंपल्स या रैशेज की दिक्कत हो सकती है। ऐसा न करें।

तेजी से बढ़ रही मोटापे की समस्या

अमित बैजनाथ गर्ग

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में देश-दुनिया में तेजी से बढ़ रही मोटापे की समस्या का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि खाने में ऐसी चीजों का प्रयोग मत कीजिए जिनसे मोटापा बढ़े।

इनकी जगह शुद्ध सात्विक चीजों का सेवन करें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए मोटापे की समस्या से निपटना होगा। मोटापे से निजात पाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि यह परिवार के प्रति भी हमारी जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने खाने में तेल का उपयोग कम करने की सलाह देते हुए कहा कि यह कई बीमारियों की वजह बनता है। इससे मोटापे के साथ ही डायबिटीज, बीपी और दिल की बीमारियों का खतरा बना रहता है, इसलिए हमें तेल के अधिक प्रयोग से बचना जरूरी है। पीएम मोदी ने पहले भी मोटापा कम करने के लिए कहा है। इससे एक बार फिर महामारी बनती मोटापे की बीमारी पर देश भर में चर्चा छिड़ गई है।

दुनिया भर के लिए मोटापा कितना गंभीर रोग बनता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दुनिया में हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे का शिकार है। स्वास्थ्य को लेकर जारी कई रिपोर्ट तस्दीक करती हैं कि भारत में भी मोटापा तेजी से पैर पसार रहा है। रिपोर्ट कहती हैं कि महिलाओं में पुरु षों के मुकाबले मोटापा अधिक है। महिलाओं में मोटापे की दर 9.8 फीसद है वहीं पुरु षों में यह 5.4 फीसद है, जबकि लड़कियों में मोटापे की दर 3.1 फीसद और लडकों में 3.9 फीसद है।

बच्चों में भी मोटापा चार गुना तक बढ़ गया है। भारत में 4० प्रतिशत महिलाएं और 12 प्रतिशत पुरु ष पेट से जुड़े मोटापे से ग्रस्त हैं। शहरी क्षेत्रों में मोटापा ग्रामीण क्षेत्रों से ज्यादा है। दक्षिण भारत में मोटापा अधिक है। केरल, तमिलनाडु, पंजाब और दिल्ली में मोटापे की दर ज्यादा है। मध्य प्रदेश और झारखंड में मोटापे की दर कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, 2०22 में एक अरब से ज्यादा लोग इस समस्या से जूझ रहे थे। अध्ययन कहता है कि 2०22 में अधिक वजन वाले वयस्कों की संख्या करीब 43 फीसद थी। यूरोप में अधिक वजन या मोटापा लोगों की मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में से एक है।

एक अनुमान के मुताबिक, मोटापे के चलते पूरी दुनिया में हर वर्ष 12 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि अधिक वजन वाले और मोटापा ग्रस्त लोग कोविड महामारी के परिणामों से अलग-अलग रूप से प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अक्सर अधिक गंभीर बीमारी और अन्य जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। अधिक वजन या मोटापे को कम से कम 13 विभिन्न प्रकार के कैंसर का कारण माना जाता है, जो पूरे यूरोप में सालाना कैंसर के कम से कम दो लाख नये मामलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हो सकता है।

असल में मोटापे को एक जटिल दीर्घकालिक बीमारी समझा जाता है, जो संकट बन गई है। यह ऐसी महामारी के रूप में उभर रहा है, जिसमें पिछले कुछ दशकों में भारी वृद्धि हुई है। द लैंसेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 199० के बाद से मोटापे की चपेट में आने वाले वयस्कों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि मोटापा कई गैर-संचारी रोगों के खतरे को बढ़ाता है, जिनमें हृदय रोग, टाइप-2 मधुमेह (डायबिटीज) और सांस संबंधी पुरानी बीमारियां शामिल हैं।

कई देशों में मोटापा सेहतमंद बनाम गैर-सेहतमंद भोजन का मामला भी बन गया है। कई बार सेहतमंद भोजन की कीमत ज्यादा होने या उपलब्ध न होने पर भी लोग ऐसे भोजन को प्राथमिकता देते हैं, जो मोटापा बढ़ा सकते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि वे मोटापे के आंकड़े को वर्षो से देखते रहे हैं। मोटापे की बढ़ती रफ्तार से हैरान हैं। कुछ एक्सपर्ट मोटापे को दो नई कैटेगरी में बांटने की वकालत भी करते हैं। पहली, क्लीनिकल मोटापा। इसका मतलब है मोटापे की वजह से हमारे शरीर का कोई अंग ठीक से काम नहीं कर रहा है, जैसे कि दिल, किडनी या लिवर। दूसरी है प्री-क्लीनिकल मोटापे की श्रेणी। इसका मतलब है कि अभी तक कोई बीमारी नहीं हुई है, लेकिन मोटापे की वजह से बीमार होने का खतरा बढ़ गया है।

तेल मोटापे की सबसे बड़ी वजह है। अगर तेल के इस्तेमाल में धीरे-धीरे कटौती करेंगे तो वजन घटेगा। मोटापे से बचने के लिए आहार और जीवनशैली में बदलाव करें। रोजाना जितनी कैलोरी बर्न करते हैं, उससे ज्यादा कैलोरी न खाएं। चीनी-मीठे पेय पदाथरे का सेवन सीमित करें। ज्यादा वसा वाले खाद्य पदाथरे से परहेज करें। प्रोटीन के स्रेतों जैसे बीन्स, दाल और सोया का सेवन बढ़ाएं। फल, सब्जियां, साबुत अनाज खाएं। भरपूर पानी पिएं। खाने में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। सप्ताह तीन से चार दिन औसतन 6० से 9० मिनट या उससे ज्यादा मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करें। टहलना, सीढियां चढऩा-उतरना, बगीचे में काम करना, टेनिस खेलना, बाइकिंग, स्केटिंग जैसी गतिविधियां करें। पर्याप्त नींद लें और तनाव प्रबंधन करें। व्यवहार संबंधी उपचार जैसे समूह परामर्श और सत्रों में शामिल हों। ध्यान रखें कि वजन धीरे-धीरे घटाने से वजन को बनाए रखने की संभावना ज्यादा होती है। इस तरह कुछ बातों का ध्यान रख कर मोटापे की समस्या से निजात पाई जा सकती है।

शब्द सामर्थ्य -82

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

1	2	■	3	4	5	■	6	7
■	8	9				■	■	
10			■	11		12	13	■
14		■	15	■	■	16		17
	■	18		19	20	■	21	
22			■	23		■	■	
■	■		■		■	24	25	
26				■	27			■
	■		■	■	28			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

थलापति विजय की आखिरी फिल्म 9 जनवरी 2026 को आएगी सिनेमाघरों में

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय भारतीय सिनेमा में जलवा दिखाने के बाद अब पॉलीटिक्स में एंट्री ले चुके हैं और उनकी अपकमिंग फिल्म थलापति 69 यानि जन नायगन उनकी आखिरी है। फिल्म की अनाउंसमेंट से ही दर्शक इस फिल्म की हर एक अपडेट के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं खासकर इसकी रिलीज डेट का। फैंस का इंतजार खत्म करते हुए विजय ने इसकी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीन ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए जन नायगन की रिलीज डेट की घोषणा की। प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, जन नायगन ०९।०१।२०२६ में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यानि फिल्म पोंगल के मौके पर रिलीज होगी। एक्टर विजय के साउथ के साथ ही पूरे भारत में करोड़ों फैंस हैं उन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं और अब वे राजनीति में अपना पूरा समय देना चाहते हैं। इसीलिए उनकी इस फिल्म को लेकर फैंस एक्साइटेड हैं।

शुरुआत में अक्टूबर २०२५ में रिलीज के लिए तय की गई फिल्म के लिए अब मेकर्स ने 9 जनवरी २०२6 को पोंगल पर एक ग्रैंड रिलीज की घोषणा की है। अनिरुद्ध रविचंदर इसका म्यूजिक देंगे जो सोने पे सुहागा जैसा है। यह फिल्म विजय के साथ विनोथ का पहला कोलेबोरेशन भी है।

जन नायगन साउथ स्टार विजय की आखिरी फिल्म है, इसके बाद वे अपने पॉलीटिकल करियर पर ध्यान देंगे। दिलचस्प बात है कि विजय की इस फिल्म में पॉलीटिक्स पर आधारित होगी। फिल्म के पहले पोस्टर पर लिखा है, द टॉर्च बियरर ऑफ डेमोक्रेसी। इस फिल्म के बाद विजय फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कर देंगे और राजनीति पर फोकस करेंगे। उनकी पॉलीटिकल पार्टी का नाम है- तमिलगा वैत्री कझगम। विजय ने अपनी पहली राजनीतिक रैली में फिल्म इंडस्ट्री छोडने की खबरों पर कहा है, मैं अपना हिट करियर और मोटी कमाई वाली सैलरी को छोड़ आपके पास आया हूं, जनता की सेवा करने आया हूं। विजय की पिछली रिलीज द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम थी जो बॉक्स ऑफिस ब्लाकबस्टर रही। अब उनकी अपकमिंग और आखिरी फिल्म जन नायगन है जिसके लिए विजय ने अब तक की सबसे ज्यादा 275 करोड़ रुपये फीस ली है। फिल्म की कास्ट के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन फैंस अब बेसब्री से इस फिल्म से जुड़ी अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। (आरएनएस)

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश संग शादी पर की खुलकर बात!

अभिनेता करण कुंद्रा ने बातचीत के दौरान तेजस्वी प्रकाश के साथ अपनी शादी को लेकर उन्होंने कई जानकारी भी शेयर किए। जब उनसे उनकी शादी के मेन्यू के बारे में पूछा गया, तो करण ने खाने के प्रति अपने प्यार को जाहिर करते हुए कहा, मैं खाने का बड़ा शौकीन हूं। लेकिन जब शादी के खाने की बात आती है, तो मैं इसे पेशेवरों पर छोड़ना पसंद करूंगा।

एक पुराने वीडियो का जिक्र करते हुए करण ने शादी की क्या योजना है इस पर मजाकिया अंदाज में बताया, मुझे लगता है कि वह एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) था। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि जब समय आएगा, तो मैं इसके बारे में सोचना शुरू कर दूंगा। मैं यह भी विचार करूंगा कि शादी का आयोजन बड़े या फिर छोटे पैमाने पर होगा। करण ने बताया कि तेजस्वी अक्सर उनके लिए खाना बनाती हैं और यह उनके लिए खास है। उन्होंने कहा, तेजस्वी मेरे लिए खाना बनाती है और यह मेरे लिए बेहद खास है।

उन्होंने तेजस्वी की पाक कला की प्रशंसा करते हुए बताया कि तेजस्वी को रसोई में प्रयोग करना कितना पसंद है। उन्होंने बताया, कल भी उसने कुछ प्रयोग किया और मैंने उसे खाया, मुझे उनका बनाया खाना बहुत पसंद आया। करण और तेजस्वी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं, जैसा कि तेजस्वी की मां ने हाल ही में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के एक एपिसोड में पुष्टि की थी। जब फराह खान ने तेजस्वी की मां से पूछा, दोनों की शादी कब होगी? तो उन्होंने उत्साह से जवाब दिया, इसी साल शादी हो जाएगी। मां की इस घोषणा से तेजस्वी शर्म से लाल हो गईं और शर्माते हुए बोलीं ऐसी कोई बात नहीं है। भले ही तेजस्वी ने इनकार किया हो लेकिन हाल ही में तेजस्वी ने शादी को लेकर एक बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा, मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मुझे सामान्य कोर्ट मैरिज से कोई दिक्कत नहीं है। हम लोग फिर घूमेंगे, फिरेंगे, ऐश करेंगे। बता दें, करण और तेजस्वी की मुलाकात 'बिग बॉस 15' में हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और वह प्यार में बदल गया। रियलिटी शो के क्रिसमस स्पेशल वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, करण ने तेजस्वी प्रकाश को लाल गुलाब देकर प्रपोज किया था।

शानदार है बदनाम का गाना इंजेक्शन, सुनकर नाचने पर हो जाएंगे मजबूर: निक्की तंबोली

बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री निक्की तंबोली हालिया रिलीज फिल्म 'बदनाम' के इंजेक्शन लगा दो गाने के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकी हैं। अभिनेत्री ने गाने की खूब तारीफ की और बताया कि यह एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर लोग नाचने पर मजबूर हो जाएंगे।

प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए निक्की ने कहा, मैं पंजाबी इंडस्ट्री में डेब्यू करने और 'बदनाम' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद रोमांचित हूं!

उन्होंने कहा, 'इंजेक्शन लगा दो मुझे' एक ऐसा गाना है, जिसे सुनकर आप नाचने को मजबूर हो जाएंगे और मैं ऐसी शानदार टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए बेहद आभारी हूं।

'इंजेक्शन लगा दो मुझे' गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है। रोमांटिक ड्रामा बदनाम फरवरी में रिलीज हुई थी, जिसमें अभिनेता जय रंधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि मुख्य भूमिकाओं में हैं।

निक्की तंबोली के करियर की बात करें तो उन्होंने एक मॉडल के तौर पर शुरुआत की थी। साल २०१९ में रिलीज हुई तेलुगू हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'चिकाती गडिलो चिताकोटुडु' से अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखा था।

इसके बाद वह तमिल एक्शन-हॉरर फिल्म 'कंचना 3' में नजर आईं, जिसमें उनके किरदार का नाम दिव्या है। उनकी तीसरी फिल्म तेलुगू में 'थिप्पारा मीसम' थी।

निक्की ने २०२० में सलमान खान के हिंदी रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भी भाग लिया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। इसके बाद वह साल २०२१ में रोहित शेट्टी के स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी के 11वें सीजन में दिखाई दीं, जिसे दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में फिल्माया गया था।

शो में तंबोली १०वें स्थान पर रहीं। रियलिटी शो के अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। निक्की साल २०२२ में गेम शो द खतरा-खतरा में देखी गईं, जिसे कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था।

निक्की, नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' के 'कॉकटेल' गाने में भी काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह साल २०२४ में रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अरबाज पटेल से हुई। दोनों खास दोस्त हैं। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया। तंबोली वर्तमान में 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में नजर आ रही हैं।

'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' एक कुकिंग-आधारित रियलिटी शो है। इस शो में निक्की के साथ तेजस्वी प्रकाश, दीपिका कक्कड़ इब्राहिम, गौरव खन्ना, राजीव अदातिया समेत अन्य हस्तियां भी शामिल हैं।

44 की उम्र में नहीं थम रही श्वेता तिवारी की हॉटनेस

टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपना दीवाना बनाए हुए रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी हमेशा अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर धमाल मचाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने येलो कलर का कोर्ड-सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढक़र एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। खुले बाल, नो मेकअप लुक और चेहरे पर प्यारी सी स्माइल देते हुए एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये खूबसूरत अंदाज देखकर फैंस तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। बता दें कि श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

राजनीति में धनबल का असर

अजीत द्विवेदी

इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में कुछ बड़े चुनाव सुधारों की जरुरत है। उनमें एक सुधार धनबल और बाहुबल के असर को रोकने का है। पिछले कई दशक से इसका प्रयास हो रहा है।

परंतु मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। राजनीति में धनबल का असर इतना बढ़ गया है कि करोड़पति होना अब चुनाव जीतने की पहली शर्त है। इसी तरह बाहुबलियों या दबंगों के चुनाव जीतने की संभावना दूसरे लोगों से ज्यादा होती है। अगर ऐसा नहीं होता तो जितने विवाद कुश्ती संघ के ब्रजभूषण शरण सिंह को लेकर हुए थे उन्हें देखते हुए वे हर पार्टी के लिए अछूत हो जाते। लेकिन भाजपा ने उनके बेटे करण सिंह को फिर भी टिकट दिया और उत्तर प्रदेश में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बावजूद वे उस सीट से जीते, जहां से उनके पिता पिछले कई बार से जीत रहे थे। ऐसी अनेक मिसालें देश के अलग अलग राज्यों की दी जा सकती है। तभी चुनाव की पवित्रता और लोकतंत्र की मूल भावना को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि बाहुबलियों या अपराधी छवि के लोगों को राजनीति में आने या चुनाव लडऩे से रोका जाए।

परंतु क्या इसका उपाय यह हो सकता है कि उनके चुनाव लडऩे पर कानूनी रोक लगा दी जाए? इस सवाल का जवाब होगा, नहीं! असल में जब भी राजनीति में अपराधी छवि या दागी छवि के लोगों की एंट्री की बात होती है तो आदर्शवादी लोगों की एक जमात हमेशा कहती है कि कानून बना कर इनके चुनाव लडऩे पर रोक लगा देनी चाहिए।

सोशल मीडिया में भी इस विरोधाभास की अक्सर चर्चा होती है कि जेल में बंद व्यक्ति को वोट डालने का अधिकार नहीं होता है लेकिन जेल में बंद व्यक्ति को चुनाव लडऩे का अधिकार होता है। इस विरोधाभास को समाप्त करने की जरुरत है।

परंतु कानूनी रूप से इसको रोकने के कई खतरे हैं। एक खतरा तो यही है कि जो भी सत्ता में होगा वह अपने विरोधियों को चुनाव लडऩे से रोकने के लिए किसी न किसी मामले में फंसा कर जेल में डाल सकता है। दूसरे, सक्रिय राजनीति करने वाले हर नेता पर किसी न किसी तरह का मुकदमा रहता है। धारा 144 के उल्लंघन से लेकर सरकारी काम में बाधा डालने, सडक़ रोकने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने आदि के मुकदमे अक्सर नेताओं के ऊपर दर्ज होते हैं। ऐसे राजनीतिक मामलों में भी उनको जेल में डाल कर चुनाव लडऩे से रोका जा सकता है। इन खतरों की वजह से ही यह मामला अभी तक टलता आ रहा है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर हुई है, जिसमें सजायाफ्ता नेताओं के चुनाव लडऩे पर स्थायी रोक लगाने की मांग की गई। भाजपा के नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि जनप्रतिनिधित्व कानून दो साल या उससे ज्यादा की सजा पाने वाले दोषी व्यक्तियों को सजा की अवधि खत्म होने के बाद छह साल तक चुनाव लडऩे से रोकता है। जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा आठ के तहत यह प्रावधान है।

कोई नौ साल पहले दायर याचिका में इस धारा को चुनौती दी गई है और मांग की है कि दो साल या उससे ज्यादा सजा पाने वाले व्यक्तियों पर आजीवन चुनाव लडऩे की पाबंदी लगाई जाए।

इसमें यह भी कहा गया है कि नेताओं से जुड़े मामलों की जल्दी से जल्दी सुनवाई और फैसला हो। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी इस की गंभीरता को समझा और यह सवाल पूछा कि जिस तरह से सजा पाए लोगों के सरकारी नौकरी करने पर रोक है उसी तरह सजा पाए व्यक्ति के चुनाव लडऩे और जन प्रतिनिधि बनने पर भी रोक होनी चाहिए।

अदालत ने यह भी कहा कि कानून तोडऩे के जुर्म में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को फिर से कानून बनाने की जिम्मेदारी कैसे दी जा सकती है।

केंद्र सरकार ने इस मामले में बहुत साफ स्टैंड लिया है और कहा है कि चुनाव लडऩे पर स्थायी रोक लगाना ठीक नहीं है। सरकार ने धारा आठ के प्रावधानों का बचाव किया है और कहा है कि अभी जितनी रोक लगाई गई उतनी पर्याप्त है।

इसके साथ ही सरकार ने यह भी कहा है कि सजा पाए लोगों के चुनाव लडऩे पर सीमित अवधि तक या स्थायी रोक लगाने का मामला विधायी है और इसमें किसी तरह का बदलाव करने संसद का विशेषाधिकार है।

तभी सवाल है कि क्या संसद में ऐसी कोई पहल हो सकती है कि सजायाफ्ता लोगों के चुनाव लडऩे पर आजीवन पाबंदी लगा दी जाए? इसकी संभावना कम है।

यह संभावना इसलिए कम है क्योंकि इसकी मिसाल बहुत कम है कि किसी नेता को उसके सक्रिय राजनीतिक जीवन काल में किसी मामले में सजा हो जाए और सजा की अवधि पूरी होने के बाद वह चुनाव लडऩे के योग्य रहे। ऐसे मामले अपवाद हैं।

हालांकि इसके आंकड़े भी सामने आ जाएंगे क्योंकि अदालत ने ऐसे मामलों का ब्योरा मांगा है, जिसमें चुनाव आयोग ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके दोषी नेताओं को चुनाव लडऩे की मंजूरी दी है।

बहरहाल, आमतौर पर किसी आपराधिक या दीवानी मामलों में नेताओं को सजा नहीं होती है और अगर निचली अदालत से सजा होती है तो ऊपरी अदालत से उस पर रोक लग जाती है और जब तक ऊपरी अदालतों में फैसला होता है तब तक नेताओं का राजनीतिक जीवन समाप्त हो चुका होता है या निधन हो जाता है।

ऐसे मामले गिने चुने होंगे, जिनमें नेता को सजा हो गई, ऊपरी अदालत ने उस पर रोक नहीं लगाई या ऊपरी अदालत ने भी सजा कर दी और नेता सजा काट कर निकलने के छह साल बाद चुनाव लडऩे के योग्य हो।

अगर कोई ऐसा नेता होता भी है तो आमतौर पर बड़ी पार्टियां उसको टिकट नहीं देती हैं। इसलिए ऐसे आपवादिक मामलों के लिए अलग से कानून बनाने की जरुरत नहीं समझी गई है।

परंतु समस्या सिर्फ दोषी ठहराए गए नेताओं की नहीं है, जिनकी संख्या गिनी चुनी है। समस्या आपराधिक छवि के नेताओं से है, जो अपनी ताकत के दम पर सजा पाने से बचे रहते हैं और चुनाव लड़ कर जीतते भी रहते हैं। उनको रोकने के उपायों पर विचार होना चाहिए।

असल में यह कानून से ज्यादा राजनीतिक शुचिता का मामला है। राजनीतिक दलों और आम लोगों को भी इस बारे में सोचने की जरुरत है। कानून की बजाय अगर पार्टियां यह तय करें कि वे आपराधिक छवि के लोगों को टिकट नहीं देंगी तो अपने आप यह मसला हल हो जाएगा।

आखिर पार्टियां ही दागी या आपराधिक छवि वालों को टिकट देती हैं, बड़े नेता उनके लिए प्रचार करने जाते हैं और भारत में दलीय व्यवस्था इतनी मजबूत है कि आम मतदाता भी पार्टियों से अलग बहुत कम ही मामलों में मतदान के बारे में सोचता है।

कई बार पार्टियां जातीय समीकरण साधने या मतदाताओं पर असर के लिहाज से बाहुबली किस्म के नेताओं को टिकट देती हैं। नीतीश कुमार ने एक बार बिहार में कहा था कि बाघ के सामने बकरी नहीं लड़ा सकते हैं।

यानी अगर एक पार्टी ने किसी बाहुबली या दबंग को टिकट दिया है तो बराबरी की लड़ाई सुनिश्चित करने के लिए दूसरे दलों को भी वैसे ही नेता उतारने पड़ते हैं।

यह कानून के शासन के लिए शर्म और चिंता की बात होनी चाहिए। परंतु इसे एक सामान्य व्यवहार की तरह स्वीकार कर लिया गया है। इस मामले में पार्टियां पहल करें और आम लोग भी उसमें शामिल हों। जो राजनीति में शुचिता की जरुरत मानते हैं वे बाहुबलियों या दागी छवि वालों को चुनाव में उतारने का विरोध करें तो धीरे धीरे इससे मुक्ति मिल सकती है। कानून के जरिए इसे रोकने का उपाय मुश्किल है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.82

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

जलवायु परिवर्तन : भारतीय कृषि अब भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर

हिमानी बिंजोला

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन में प्रकाशित एक अध्ययन में एक गंभीर चिंता जताई गई हैए जो देश में वर्षा के वितरण में तेजी से आ रहे बदलाव और खाद्यान्न फसलों पर इसके असर से जुड़ी है। अध्ययन कहता है कि भारतीय कृषि अब भी काफी हद तक मॉनसून पर निर्भर है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु परिवर्तन से बेअसर रहने वाले नई किस्मों के बीज तैयार होने से राहत तो मिली है मगर मॉनसूनी बारिश अब भी निर्णायक होती है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान होने वाली वर्षा खरीफसत्र में कृषि उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है। वर्षा का तरीका बदलने या सूखे जैसी स्थिति से फसल उगाने का चक्र बिगड़ जाता है और कीटों एवं पौधों से जुड़ी बीमारियों की समस्या भी बढ़ जाती है। पर्याप्त और समान वर्षा होने से कृषि उत्पादकता बढ़ जाती है।

मॉनसून में अच्छी बारिश रबी सत्र के अनुकूल होती है। मिट्टी में पर्याप्त नमी रहने और जलाशयों में पानी का स्तर अधिक रहने से गेहूंए सरसों और दलहन जैसी फसलों की बोआई के लिए आदर्श स्थिति तैयार होती है। खरीफसत्र में मोटे अनाजए तिलहनए दलहन और चावल की उपज में सालाना वृद्धि के आंकड़े देखें तो जिस साल दक्षिण पश्चिम मॉनसून सभी फसलों के लिए बेहतर रहा उस साल उत्पादन भी ज्यादा रहा। लेकिन अतिवृष्टि ने मक्के और तिलहन की उपज बिगाड़ी। अध्ययन में कहा गया है कि उत्पादन इस बात पर भी निर्भर करता है कि मॉनसूनी बारिश कब आती है। उदाहरण के लिए जून और जुलाई में कम बारिश मक्काए दलहन और सोयाबीन के लिए खास तौर पर नुकसानदेह होती है क्योंकि मिट्टी में नमी कम होने के कारण बोआई अटक जाती है और पौधों की शुरुआती बढ़वार पर भी असर पड़ता है।

इसी तरह कटाई के समय अत्यधिक वर्षा से तिलहन उत्पादन घट जाता है। पिछले साल मॉनसून में शानदार वर्षा और सटीक ठंड रहने से चालू वित्त वर्ष में फसलों का उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि पिछले साल के मुकाबले खरीफका उत्पादन 7.9 प्रतिशत और रबी का 6 प्रतिशत बढ़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने 2०25 के लिए मॉनसून के अनुमान जारी नहीं किए हैं मगर विश्व मौसम विज्ञान संगठन का अनुमान है कि भारत में इस साल वर्षा सामान्य या इससे अधिक हो सकती है।

ध्यान रहे कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश के पैटर्न में आने वाले बदलाव कृषि उत्पादन पर ज्यादा असर डाल सकते हैं। मौसम की अतिरंजना अब अनोखी बात नहीं रह गई है। भारत में पिछले साल 365 में से 322 दिन मौसम की अति दिखी थी। इससे देश में 4.०7 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें प्रभावित हुईं। 2०23 में 318 दिन मौसम ऐसा रहा था। जब तक इन प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए बहुआयामी नीति नहीं अपनाई जाती है तब तक ऐसी घटनाएं बढ़ती ही रहेंगी।

पिछले साल कम और असमान वर्षा के कारण गर्म हवा और बाढ़ की 25० घटनाएं सामने आईं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते तापमान और बाढ़ के कारण फसलों का उत्पादन घटने और इनमें पोषक तत्व कम होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। बदलती परिस्थितियों को देखते हुए जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यों की तरफ कदम बढ़ाना आवश्यक हो गया है। कृषि में जलवायु परिवर्तन सहने की क्षमता रखने तौर.तरीकेए नालियों की प्रणाली में सुधारए बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन और तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र में क्षमता एवं टिकाऊपन बढ़ाया जा सकता है। लंबे अरसे के लिए जल प्रबंधन पर भी हमें सतर्क रहना होगा।

जैविक या रसायन रहित कृषि के बजाय प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहित करना होगा। इससे अलग.अलग मियाद वाली विविध फसलों से किसानों की आय ही नहीं बढ़ती बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी बढ़ती है। कुल मिलाकर भारत को जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने और अनुकूल रणनीति अपनाने के लिए काम करना होगा।

माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर में 108 कन्याओं के पैर धोकर लगाया मंगल तिलक

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में 108 कन्याओं के पैर धोकर मंगल तिलक लगाया गया।

आज यहां माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में आयोजित विशेष चैत्र नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में नौ देवियों के प्रतीक रूप में 9 कन्याओं और सामूहिक रूप से प्रातः काल से ही मंदिर में आने वाली 108 से भी अधिक कन्याओं के पैर धोए गए उनको मंगल तिलक लगाया गया। चुन्नी और पुष्प माला धारण करवाकर, हलुआ, पूरी, चने का भोग लगाकर दक्षिणा और उपहार भेंट किए गए। मंदिर के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी ने सभी कन्याओं से खूब मेहनत कर पढ़ाई करने और खेलने का आह्वान किया और संपूर्ण विश्व में सभी क्षेत्रों में मां भारती का मान बढ़ाने का आह्वान करते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया साथ ही माता पिता से अपील की मात्र नवरात्री में ही नहीं साल भर मातृशक्ति का सम्मान करें उनको पढ़ाई, खेलों सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। क्योंकि एक कन्या दो दो कुलो का उद्धार करती है, शाम को भजन कीर्तन के साथ साथ विशेष आरती श्रृंगार होगा। कल श्री राम जन्मोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाएगा साथ ही चैत्र नवरात्रि पूजा अनुष्ठान की पूर्णाहुति और भंडारा भी होगा। आज के कार्यक्रम में मन्दिर के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी, डा. मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, गीता जोशी, आचार्य विकास भट्ट, सुरेंद्र सिंह कुकरेजा, सुशील पुरोहित, पंडित अरविंद बडोनी, हर्षपति रयाल, ऋषिपाल, संतोष ढौंढियाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

कोर्ट ने डीएफओ को लगाई फटकार

देहरादून (कासं)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नैनीताल जिले के बुढ़ पंगोट क्षेत्र में ऐतिहासिक ब्रिटिशकालीन रास्ते को वन विभाग द्वारा बंद करने पर निराशा व्यक्त की। बुढ़ पंगोट को पक्षी प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की पीठ ने डीएफओ को फटकार लगाई और उन्हें शनिवार तक ग्रामीणों के लिए रास्ता फिर से खोलने का निर्देश दिया। बुध पंगोट निवासियों भावना और प्रेमलता बुधलाकोटी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि वन विभाग ने पक्षी अभयारण्य की सुरक्षा के नाम पर पारंपरिक रास्ते पर बैरिकेडिंग कर दी है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह रास्ता अभयारण्य से पुराना है और इसे बंद करने का उद्देश्य एक निजी बिल्डर को फायदा पहुंचाना है, जिसने अवैध रूप से वन भूमि पर सड़क का निर्माण किया है। जवाब में डीएफओ ने कोर्ट को बताया कि एनजीटी के निर्देशों के अनुपालन में मार्ग बंद किया गया है।

ईद के दिन फिलिस्तीन का झंडा फहराने वाले तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ईद के दिन फिलिस्तीन का झंडा फहराने वाले तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा मंगलौर में ईद के दिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा फिलिस्तीन का झंडा लहरा कर डण्डे के साथ फोटो खींचकर उसे वायरल कर दिया था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने आरोपियों की पहचान कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये। इस मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उन पर चालानी कार्यवाही की है। पकड़े गए आरोपियों के नाम रिफाकत पुत्र शौकत निवासी मौहल्ला कटहेडा, मंगलौर, मौ. जावेद पुत्र नफीस व इरफान पुत्र अब्दुल बली निवासी मौहल्ला लालबाडा कस्बा थाना मंगलौर हरिद्वार बताये जा रहे है।

डीएम की पड़ी नजर तो बहुरे दिव्यांग सामुदायिक केन्द्र के दिन

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने जीर्णशीर्ण सामुदायिक केन्द्र का मामला संज्ञान में आते ही नगर निगम ऋषिकेश की टीम को मौके पर भेजाकर आंगणन करायी गयी।

आज यहां मायाकुण्ड में जीर्णशीर्ण सामुदायिक केन्द्र के दिन वापस लौट आए है, डीएम सविन बसंल के संज्ञान में मामला आते ही नगर निगम ऋषिकेश की टीम को मौके पर भेजकर आंगणन कराई गई। सामुदायिक केन्द्र की बहुउपयोगिता बच्चों की शिक्षा, महिला साक्षरता, महिला कौशल की गतिविधिति संचालित होती है। पैरा खिलाड़ी नीरजा गोयल देवभूमि चेरीटेबल ट्रस्ट डीएम से मिली तथा अपनी बात उनको बताई कि उनके द्वारा भी सायंकालीन महिला सिलाई प्रशिक्षण एवं स्थानीय बच्चों को रेमेडियल टीचिंग करायी जाती है तथा इस भवन को उपयोग में लाया जा रहा है, उन्होंने भवन मरम्मत का डीएम से अनुरोध किया। जिस पर डीएम ने टीम भेजकर भूमि की जानकारी तथा आंगणन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सामुदायिक केन्द्र मायाकुण्ड जो नगर निगम ऋषिकेश की सम्पत्ति है। इस सामुदायिक केन्द्र में निकटवर्ती वार्ड मायाकुण्ड, चन्द्रेश्वर नगर, भैरव मन्दिर आदि के स्थानीय नागरिकों द्वारा सामुदायिक कार्य सम्पादित किये जाते हैं। सामुदायिक केन्द्र मायाकुण्ड अत्यधिक जीर्णशीर्ण स्थिति में था जिस कारण स्थानीय लोगों को अपने सामुदायिक कार्यो को करने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। डीएम ने सामुदायिक भवन के जीर्णशीर्ण होने तथा पुनःनिर्माण की मांग की गयी है जिसमें जिलाधिकारी द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में सामुदायिक भवन मायाकुण्ड की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट/आंगणन तैयार किया जिसकी डीएम ने प्रशासक रहते रूपये 43.00 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई । जिस पर निविदा जारी कर कार्य प्रारम्भ हो गया है।

यूपीएस /एनपीएस कर्मचारियों के साथ धोखाः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार यूपीएस/एनपीएस कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं ने मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में ओल्ड पेंशन स्कीम यानी पुरानी पेंशन बहाली/ लागू करने को लेकर तहसील में घेराव/ प्रदर्शन कर . मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी, विकासनगर की गैर मौजूदगी में तहसीलदार विवेक राजौरी को सौंपा। नेगी ने कहा कि सरकार द्वारा कुछ दिन पहले कैबिनेट में प्रदेश के सरकारी कार्मिकों हेतु यूपीएस (यूनिफाइड पेंशन स्कीम) को मंजूरी दी गई है, जोकि सिर्फ और सिर्फ कर्मचारियों की आंखों में धूल झोंकने जैसा है। नेगी ने कहा कि एक और जहां कर्मचारी वर्षों /दशकों तक सेवा करने के उपरांत भी सरकार की गलत नीतियों के चलते समुचित पेंशन का हकदार नहीं रहता, वहीं दूसरी और विधायक शपथ ग्रहण करते ही/ मृत्यु होने अथवा तुरंत त्यागपत्र देते ही आजीवन पेंशन/ पारिवारिक पेंशन का अधिकार हो जाता है, ऐसे में यह दोहरा मापदंड निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है यानी कर्मचारियों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। आलम है कि सरकार को सिर्फ और सिर्फ विधायकों के सुख सुविधाओं की चिंता है, लेकिन कर्मचारियों के बारे में नई -नई बेफिजूल योजनाएं/ नए-नए अविष्कार लाकर समय जाया कर रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि विधायक कोई सरकारी कर्मचारी नहीं होते,बावजूद इसके इनको पेंशन का हकदार बनाया गया है, जोकि प्रदेश का दुर्भाग्य है। मोर्चा सरकार की यूनिफाइड पेंशन स्कीम/ एनपीएस का विरोध करता है तथा मांग करता है कि ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू करे/बहाल करे अथवा विधायकों की तर्ज पर ही कार्मिकों की पेंशन योजना लागू करें। घेराव/प्रदर्शन में मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, हाजी आरिफ, मो. गालिब, मुजीबुररहमान, सलीम, हाजी असद, अनुपम कपिल, राम सिंह तोमर, अशोक चंडोक, मौलाना शाबान, प्रो.वीर दास, मोहम्मद इस्लाम, नरेश ठाकुर, अतुल हांडा, प्रवीन शर्मा पिन्नी, चौधरी राजू ,बिल्लू गिल्बर्ट, सुरजीत सिंह, विक्रम पाल, सुशील भारद्वाज, मान चंद्र राणा, गोविंद सिंह नेगी, अरविंद साहनी मौजूद थे।

कुमाऊं का कुख्यात स्मैक तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। कुमाऊं मंडल के कुख्यात स्मैक तस्कर मांग सिंह उर्फ मंगू को पुलिस ने रामपुर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एनडीपीएस एक्ट व गैंगस्टर एक्ट में लगातार फरार चल रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रीठा साहिब पुलस चैकिंग के दौरान बाइक सवार आरोपी कुलदीप जोशी पुत्र स्व. हीरा बल्लभ जोशी निवासी खटकना पुल के पास चम्पावत को 112 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में आरोपी कुलदीप जोशी द्वारा बताया गया कि उक्त स्मैक को करन राम के व्यक्ति के माध्यम से आरोपी मांग सिंह उर्फ मंगू पुत्र गुरुवचन सिंह, निवासी बिडौरा मझोला, थाना नानकमत्ता, जिला ऊधमसिंह नगर से खरीद कर लाया गया है। उक्त प्रकरण में आरोपी कुलदीप जोशी व मांग सिंह उर्फ मंगू के खिलाफ थाना रीठा साहिब में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान करन राम से शपथ पत्र लिया गया जिसके द्वारा कुलदीप जोशी से बरामद स्मैक मांग सिंह उर्फ मंगू से दिलाने की पुष्टि की गयी। जांच के दौरान सामने आया कि कुलदीप जोशी कोतवाली चम्पावत का हिस्ट्रीशीटर अपराधी व मांग सिंह उर्फ मंगू थाना नानकमत्ता का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। जिनके खिलाफ थाना रीठा सहिब में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी मांग सिंह उर्फ मंगू थाना रीठा साहिब में दर्ज दोनो मुकदमों में फरार चल रहा था। जिसके लिये उसके घर सहित अन्य स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। जिसे पुलिस व एसओजी ने आज रेलवे स्टेशन, रामपुर तिराहा, रामपुर, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

एक नजर

कालेज प्रशासन से खफा छात्रों ने प्राचार्य कक्ष में की तालाबंदी

संवाददाता

देहरादून। कालेज में हो रहे विकास कार्यों में हो रही लापरवाही के खिलाफ छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य कक्ष में तालाबंदी की। आज यहां डीएवी महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा प्राचार्य कार्यालय में तालाबंदी

की गई तथा कॉलेज प्रशासन पर कॉलेज में हो रहे विकास कार्यों में हो रही लापरवाही पर रोष व्यक्त किया गया। छात्र संघ पदाधिकारियों ने बताया कि डीएवी महाविद्यालय के लाइब्रेरी के पुनर्निर्माण का कार्य विगत 2 सालों से गतिमान है प्राचार्य द्वारा मार्च अंत तक लाइब्रेरी को सुचारू करने का आश्वासन दिया गया किन्तु लचर रवैया के कारण छात्रों को आजतक भी रीडिंग रूम प्राप्त नहीं हुआ। जिस कारण सभी छात्र लाइब्रेरी के लाभ से वंचित हैं। पूर्व में भी लाइब्रेरी कार्यों में अनियमितता एवं कार्य में देरी के कारण छात्र संघ द्वारा समय समय पर महाविद्यालय प्रशासन को चेताया गया था। छात्र संघ पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में महाविद्यालय प्रांगण में सुविधा दी गई थी किन्तु विगत दो वर्षों से कॉलेज की स्थिति का जायजा लेने में भी महाविद्यालय प्रशासन नाकाम रहा जिस कारण आज छात्र संघ पदाधिकारी प्राचार्य कार्यालय पहुंचे एवं विरोध स्वरूप प्राचार्य की कुर्सी को कार्यालय के मुख्य द्वार पर रख दिया गया। छात्र संघ ने चेतावनी दी कि जब तक छात्रों को लाइब्रेरी नहीं मिलती तब तक प्राचार्य कक्ष में अनिश्चितकाल के लिए तालाबंदी रहेगी। इस अवसर पर छात्र संघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, छात्र संघ महासचिव सुमित कुमार, उपाध्यक्ष अनुज शाह, गौतम राणा सहित अनेकों छात्र मौजूद रहे।

वक्फ भूमि विवाद में फंसे 50 लोग बीजेपी में शामिल

नई दिल्ली। संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, केरल के मुनंबम में भूमि विवाद में उलझे 50 लोग शुक्रवार को भाजपा के राज्य प्रमुख राजीव चंद्रशेखर और अन्य एनडीए नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने पार्टी की सदस्यता तब ली, जब चंद्रशेखर के नेतृत्व में एनडीए नेताओं ने शुक्रवार को मुनंबम निवासियों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन उन्हें तब तक समर्थन देगा, जब तक वे अपने राजस्व अधिकार सुरक्षित नहीं कर लेते। सोशल मीडिया पर इस खबर की चर्चा हो रही है। कैथोलिक चर्च द्वारा समर्थित निवासी पिछले 174 दिनों से अपनी संपत्तियों पर राजस्व अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिस पर कथित तौर पर वक्फ बोर्ड का दावा है। एर्नाकुलम जिले के चेराई और मुनंबम गांवों में, निवासियों ने आरोप लगाया है कि वक्फ बोर्ड पंजीकृत विलेख और भूमि कर भुगतान रसीदें होने के बावजूद उनकी जमीनों और संपत्तियों पर अवैध रूप से स्वामित्व का दावा कर रहा है। उन्हें उम्मीद है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने से भूमि पर वक्फ बोर्ड के दावों का समाधान हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने उनसे आभार व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से सीधी मुलाकात की व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया।

ट्रेलर ने झोपड़ी को रौंदा, तीन की मौत दो गभीर घायल

हमारे संवाददाता

गाजीपुर। हाईवे पर सड़क किनारे बनी झोपड़ी में सो रहे एक ही परिवार के 5 लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने रौंद डाला। हादसे में तीन मासूमों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां-बेटी की हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं पुलिस ने हादसा कर फरार हुए ट्रेलस व चालक को बिहार बार्डर से पकड़ लिया है। सड़क हादसे का यह मामला गहमर थाना क्षेत्र के पथरा गांव के पास एनएच-124सी का है। मां कामाख्या धाम के पास लालजी का परिवार रोज की तरह झुग्गी में खाना खाकर सो गया था। देर रात करीब दो बजे भदौरा से गहमर की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने अनियंत्रित होकर झोपड़ी को रौंद डाला। हादसे में लालजी की दो बेटियां कबूतरी (5) और ज्वाला (2) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पत्नी संतरा देवी (30), बेटी सपना (7) और एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सीएचसी भदौरा ले जाया गया, जहां से सपना और संतरा को जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान सपना ने भी दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि घटना के समय लालजी किसी काम से बाहर गया था। वहीं हादसे के बाद चालक ट्रेलर लेकर फरार हो गया। लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ट्रेलर को बिहार बॉर्डर पर पकड़ लिया है।

नकली नोट के साथ 4 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। भारत-नेपाल सीमा पर लगने वाले बाजारों में नकली नोट चलाने आये चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 29 हजार के नकली नोट व एक कार बरामद की गयी है।

बीती शाम थाना बलुवाकोट पुलिस द्वारा मल्ली कुचिया बलुवाकोट में नकली नोटों के साथ चार लोगों समीर उल रहमान निवासी दरियागंज दिल्ली, आसिफ निवासी चावड़ी बाजार दिल्ली, शोएब निवासी चावड़ी बाजार दिल्ली और नितिन निवासी मुनस्यारी पिथौरागढ़ को 29 हजार रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना बलुआकोट पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को मल्ली कुचिया धारचुला रोड पर एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार संदिग्ध रूप से सड़क पर खड़ी दिखी। गाड़ी की तलाशी ली गई

और गाड़ी से समीर उल रहमान पुत्र अतीक उल रहमान निवासी चांद मौहल्ला दरियागंज दिल्ली के कब्जे से 500 के

❑29 हजार के नकली नोट बरामद

कुल 14 नोट, कुल 7000 रुपये, आसिफ पुत्र सकील निवासी चितलागेट चावड़ी बाजार दिल्ली के कब्जे से 500 के कुल 15 नोट, कुल 7500 रुपये, शोएब पुत्र शहनवाज हुसैन निवासी चितलागेट चावड़ी बाजार दिल्ली के कब्जे से 500 के कुल 14 नोट, कुल 7000 रुपये और नितिन पुत्र करन सिंह निवासी मुनस्यारी के कब्जे से 500 के कुल 15 नोट, कुल 7500 रुपये, कुल 29 हजार रुपये बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे लोग भारत-नेपाल सीमा से लगे बाजारों में नकली नोट चलाने के लिए आए थे। पुलिस ने मौके से आरोपियों की स्विफ्ट को भी सीज कर लिया गया है।

राज्य में विधवा महिला ने कराया लिव इन का पहला रजिस्ट्रेशन

हमारे संवाददाता

नैनीताल। राज्य में यूसीसी लागू होने के बाद लिव इन रिलेशनशिप का पहला रजिस्ट्रेशन हल्द्वानी के ग्रामीण क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े द्वारा कराया गया है। इस प्रेमी जोड़े में महिला विधवा है जिसका एक बच्चा भी है।

एसडीएम हल्द्वानी परितोष वर्मा ने बताया कि यह रजिस्ट्रेशन शुक्रवार को कराया गया है। लिव-इन रिलेशनशिप को रजिस्टर करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है। आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने की प्रक्रिया 30 दिनों में पूरी करनी होती है। यूसीसी के तहत लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता देने का काम शहरीय इलाके में नगर आयुक्त (रजिस्ट्रार) को दिया गया है। बता दें कि राज्य में यूसीसी लागू होने के बाद शुक्रवार को हल्द्वानी क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में लिव इन रिलेशनशिप का यह पहला रजिस्टेशन है।

कार से दो बॉक्स व मशीन चोरी

संवाददाता

देहरादून। नेहरू कालोनी निवासी आकाश कुमार ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में उसने अपनी गाडी सागर गिरी आश्रम के पास गणेश ज्वैलर्स के सामने खडा कर दिया जिसमें रिलायंस ट्रिडस के 2 बॉक्स जिनका बॉक्स व मशीन रखा हुआ था, जब दोपहर में उसने सामान चैक किया तो सामान सारा गाडी में ही था फिर अगले दिन गाडी के पास जाकर सामान चैक किया चो गाडी में रखे उक्त 3 बाक्स व मशीन गाडी में नही मिली जो किसी ने चोरी कर लिए है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आटा व रिफाइंड चोरी कर भाग रहे दो लोगों को दबोचा

संवाददाता

देहरादून। लोगों ने वाहन से आटा व रिफाइंड चोरी कर भाग रहे दो लोगों को पकडकर पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चिल्याडीसौड निवासी विकास राणा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गंगोत्री ट्रा के नाम से आदर्श ग्राम ऋषिकेश मे दुकान है। उक्त कम्पनी मे लगी उसकी गाड़ी कामर्शियल बोलेरो पिकअप जो कल रात्रि मे बस अड्डा परिसर में खड़ी थी। जिसमें कुछ परचून का सामान था जिसको लेकर उसको उत्तरकाशी जाना था। आजसुबह लगभग समय साढे ग्यारह बजे लगभग दो व्यक्ति स्पलेंडर प्लस मोटर साईकिल से आये और उसकी गाड़ी से दो आटा बैग 10-10 किलो और फॉर्चून कच्ची धानी तेल की पेटी जिसमें 10 पैकट तेल एक- एक किलो के जिसको दोनों व्यक्ति चोरी के सामान के साथ अपनी मोटर साईकिल से भागने की कोशिश करने लगे थे। इनको भागते देख उसने व गोविन्द अग्रवाल व सोनू व अन्य लोगो राकेश गुसाई व दाताराम रतुडी ने दोनों व्यक्तियों को मौके पर सामान के साथ धर दबोच लिया गया, मौके पर ओर लोग भी आ गये थे। मौके पर दोनो से पूरा नाम पता पूछने पर फॉर्चून पेटी पकड़े व्यक्ति ने अपना नाम अमन भंडारी पुत्र पूरब सिंह निवासी 14 बीघा मुनि की रेती हाल किरायेदार आदर्श ग्राम आईएसबीटी रोड ऋषिकेश बताया तथा 02 आटा बैग पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम पंकज सिंह पुत्र स्व0 राजेंद्र सिंह निवासी गली नंबर 11 ढालवाला जनपद टिहरी गढ़वाल बताया है। इन दोनों व्यक्ति को चोरी किए माल व चोरी में प्रयोग किए मोटर साईकिल को लेकर चौकी पर आये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से इनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोहकमपुर फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 56 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम बृजमोहन पुत्र नन्दलाल निवासी मोहकमपुर बताया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।